

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा?																															
2. अंतर्मुखी स्थिति में रहकर सेवा की?																															
3. दिन में 5 बार अशरीरीपन का अभ्यास किया?																															
4. फरिश्ता स्वरूप के स्वमान में रहे?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															



विशेष तीव्र पुरुषार्थ के लिए अटेन्शन

1. जितना हो सके मौन, अंतर्मुखी रहें, व्यर्थ से मुक्त रहें।
2. बार-बार अशरीरी, देह से न्यारे होने की प्रैक्टिस करें।
3. जब भी थोड़ा सा समय मिले तो मनसा सेवा में स्वयं को व्यस्त रखें।
4. ज्ञान के मनन, चिन्तन को बढ़ाते जाना है।



अव्यक्त स्थिति के स्वमानयुक्त योगाभ्यास.....

1. मैं डबल लाइट अव्यक्त फरिश्ता हूँ।
2. मैं इस देह में अवतरित फरिश्ता हूँ।
3. मैं ट्रस्टी हूँ, परमात्मा की अमानत हूँ।
4. मुझे फरिश्ते के सर्व सम्बन्ध एक बाप से हैं।
5. मैं सर्व शुभचिंतक फरिश्ता हूँ।
6. मैं लाइट माइट ज्योतिस्वरूप फरिश्ता हूँ।
7. मैं सर्व आकर्षणमुक्त स्वतंत्र फरिश्ता हूँ।
8. मैं रूहानी एक्सरसाइजधारी फरिश्ता हूँ।
9. मैं ज्वालारूप योगी फरिश्ता हूँ।
10. मैं चमकीली ड्रेसधारी फरिश्ता हूँ।

11. मैं एक बाप की याद में रहने वाला फरिश्ता हूँ।
12. मैं अव्यक्त स्थिति में रहने वाला फरिश्ता हूँ।
13. मैं परमात्मा दुआओं से संपन्न फरिश्ता हूँ।
14. मैं बेफिक्र बादशाह डबल लाइट फरिश्ता हूँ।
15. मैं निमित्त कर्मयोगी फरिश्ता हूँ।
16. मैं परमात्मा दिलतख्तनशीन फरिश्ता हूँ।
17. मैं निरंतर खुशी बांटने वाला फरिश्ता हूँ।
18. मैं आदि से अन्त तक श्रेष्ठपार्टधारी आत्मा हूँ।
19. मैं देह से उपराम, न्यारा फरिश्ता हूँ।
20. मैं निरन्तर साक्षीद्रष्टा फरिश्ता हूँ।
21. मैं एक्युरेट और अलर्ट रहने वाली आत्मा हूँ।

22. मैं रॉयल, महान आत्मा हूँ।
23. मैं परमात्मा याद में समाई रहने वाली आत्मा हूँ।
24. मैं मास्टर सर्वशक्तिवान आत्मा हूँ।
25. मैं अनुभवीमूर्त सहजयोगी आत्मा हूँ।
26. मैं ज्ञान-योग की लाइट माइट से संपन्न आत्मा हूँ।
27. मैं मास्टर ज्ञानसूर्य आत्मा हूँ।
28. मैं सर्व सिद्धि स्वरूप आत्मा हूँ।
29. मैं अतिन्द्रिय सुखस्वरूप आत्मा हूँ।
30. मैं सर्व खजानों से संपन्न आत्मा हूँ।

ओम् शान्ति